MOEF-EDS-Complience/Oneline

कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी वन प्रभाग मुजफ्फरनगर।

पत्रांक-198 / 14-1(FP/UP/Road/ 43253/2019-FCA)दिनांक, मुजफ्फरनगर 24 07.2023 ।

सेवा में,

वन संरक्षक / क्षेत्रीय निदेशक
सहारनपुर वृत्त सहारनपुर।

विषयः- जनपद मुजफ्फरनगर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0-119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 48.400 से कि0मी0 66.500 तक 27.7284 है0 संरक्षित वन भूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 66.500 से 78.635 तक 11.1230 है0 संरक्षित वन भूमि अर्थात **कुल-38.8514** है0 संरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 5211 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4419 वृक्ष अर्थात कुल-9630 वृक्षों के पातन / ट्रान्सप्लाट की अनुमति के **संशोधित प्रस्ताव** के संबंध में **(पूर्व प्रस्ताव**-जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 48.400 से कि0मी0 67.180 तक 27.7437 है0 संरक्षत वन भूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 67.180 से 79.330 तक 11.1077 है0 संरक्षित वन भूमि अर्थात कुल-38.8514 है0 संरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 7846 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4316 वृक्ष अर्थात कुल-12162 वृक्षों के पातन / ट्रान्स प्लाट की अनुमति का प्रस्ताव) ।

संदर्भ- पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ का पत्रांक-II / 1092 / आरईसी / 2014- उ0प्र0 (पार्ट -2) / 157, दिनांक-04.07.2023 एंव पत्रांक-08बी / यू0पी0 / 06 / 265 / 2021 / एफ0सी0 / 240 दि0-18.07.2023 ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक जनपद मुजफ्फरनगर एवं जनपद बिजनौर में वन संरक्षण अधिनियम 1980 की अनुमति के प्रस्ताव में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के पत्रांक-II / 1092 / आरईसी / 2014- उ0प्र0 (पार्ट -2) / 157, दिनांक-04.07.2023 के एजेण्डा संख्या-6.8 द्वारा कतिपय अभिलेखों / सूचनाओं की वांछना की गयी थी, जिसके क्रम में प्रयोक्ता अभिकरण / भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पी0आई0यू0 मेरठ के पत्रांक -डी0-27931 दिनांक 17.07.2023 द्वारा सूचनाऐं / अभिलेख निम्नानुसार उपलब्ध कराये गये है-

क्र0सं0	एम0ओ0ई0एफ0 द्वारा वांछित सूचना	उपलब्ध करायी गयी सूचना
1	Scheme for roadside plantation needs to be submitted	बिन्दु से संबंधित सूचना के क्रम में प्रयोक्ता अभिकरण ने अपने संदर्भित पत्र दिनांक 17.07.2023 द्वारा Roadside plantation / Avenue Plantation की परियोजना उपलब्ध कराने के साथ-साथ परिवेश पॉर्टल पर भी अपलोड कर दी गयी है। **Annexure-I**
2	A copy of notification of sanctuary area shall be provided with comment from chief wildlife warden.	बिन्दु से संबंधित सूचना के क्रम में प्रयोक्ता अभिकरण ने अपने संदर्भित पत्र दिनांक 17.07.2023 द्वारा अवगत कराया है कि Hastinapur Wildlife Sanctuary Boundary has been revised vide Gazette Notification number 92/81-4-2023-852-97 dated 6th February 2023 **Annexure-II.** Subject-Forest Land Diversion Proposal also attracts Wildlife Clearance under Wildlife (Protection) Act 1972 and Wildlife Clearance Proposal is under process with Wildlife Warden. The comment of Chief Wildlife Warden will be provided once, the processing of Wildlife Proposal is completed from office of Chief Wildlife Warden.

उपरोक्तानुसार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के पत्रांक-II / 1092 / आरईसी / 2014- उ0प्र0 (पार्ट -2) / 157, दिनांक-04.07.2023 एंव संदर्भित पत्र दिनांक- 18.07.2023 के क्रम में वांछित अभिलेख प्रतिहस्ताक्षरित कर ऑनलाईन आपकी सेवा में इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि उक्त को नियमानुसार उच्च स्तर को प्रेषित करने की कृपा करें।

संलग्नक- उपरोक्तानुसार

भवदीय

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर।

संख्या 198 / 14-1(**FP/UP/Road/ 43253/2019-FC**) दिनांकित।

प्रतिलिपि मुख्य वन संरक्षक / नोडल अधिकारी, उत्तर प्रदेश लखनऊ की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि वन संरक्षक, मुरादाबाद वृत्त मुरादाबाद की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पी0आई0यू0 मेरठ को उनके संदर्भित पत्र दिनांक 17.07.2023 के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपि: प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, बिजनौर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग,
मुजफ्फरनगर।

369G:\My Drive\1.SHARE FOLDER 2021\important soft\EDS 2022-23\EDS 2022-23 .docx

भारत सरकार
Government of India
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Ministry of Environment, Forest & Climate Change
एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ
Integrated Regional Office, Lucknow

केन्द्रीय भवन, ग्यारवां तल, सेक्टर एच, अलीगंज, लखनऊ–226024
Kendriya Bhawan, 11th Floor, Sector H, Aliganj, Lucknow-226024, Phone No : 0522-2326696
Email : [illegible]

पत्र सं0 : 8बी/यू0पी0/06/205/2021/एफ.सी./240 दिनांक : 18.07.2023

सेवा में,

अति0 मुख्य सचिव,
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन, बापू भवन, लखनऊ।

ऑनलाईन प्रस्ताव संख्या–FP/UP/Road/43253/2019

विषयः **संशोधित प्रस्ताव** जनपद मुजफ्फरनगर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना कार्यान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0–119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 48.400 से किमी0 66.500 तक 27.7284 हे0 संरक्षित वनभूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 66.500 से 78.635 तक 11.1230 हे0 संरक्षित वनभूमि अर्थात कुल 38.8514 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 5211 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4419 वृक्ष अर्थात कुल 9630 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लान्ट की अनुमति के सम्बन्ध मे।

पूर्व प्रस्ताव भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना कार्यान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा मेरठ नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0–119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 48.400 से किमी0 67.180 तक 27.7437 हे0 संरक्षित वनभूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 67.180 से 79.330 तक 11.1077 हे0 संरक्षित वनभूमि अर्थात कुल 38.8514 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 7846 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4316 वृक्ष अर्थात कुल 12162 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लान्ट की अनुमति के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी का पत्रांक 3985/11–सी–FP/UP/Road/43253/2019, दिनांक 19.06.2023

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक सचिव (वन), उत्तर प्रदेश शासन के पत्रांक पी–126/81–2–2023–800(230)/2021, दिनांक 01.05.2023 का आशय ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा विषयांकित प्रस्ताव पर वन(संरक्षण) अधिनियम, 1980 की धारा(2) के अन्तर्गत भारत सरकार की स्वीकृति मॉगी थी।

प्रश्नगत प्रकरण में इस कार्यालय के सम–संख्यक पत्र दिनांक 09.06.2023 द्वारा कतिपय बिन्दुओं पर आवश्यक जानकारी/सूचना मागी गयी थी, जिसकी अनुपालना उपरोक्त संदर्भित पत्र के माध्यम से प्रेषित की गई है। प्रकरण को दिनांक 22.06.2023 को आहूत की गयी क्षेत्रीय सशक्त समिति (REC) की बैठक में Agenda Item No. 6.8 (UP) सम्मिलित किया गया था। प्रकरण में क्षेत्रीय सशक्त समिति (REC) द्वारा स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की गई है कि निम्नलिखित अभिलेख 15 दिनों के अन्दर इस कार्यालय में प्रेषित करने का कष्ट करें :–

1- Scheme for roadside plantation needs to be submitted.
2- A copy of notification of sanctuary area shall be provided with comments from Chief Wildlife Warden.

अतः मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि प्रकरण के सम्बन्ध में क्षेत्रीय सशक्त समिति (REC) के निर्णयानुसार उपरोक्त अभिलेख इस कार्यालय में प्रेषित करने का कष्ट करें, ताकि प्रकरण में आगामी कार्यवाई सुनिश्चित की जा सके–

भवदीया,

(डॉ0 प्राची गंगवार)
उप वन महानिरीक्षक (केंद्रीय)

प्रतिलिपि (ईमेल द्वारा) :–
1. प्रधान मुख्य वन संरक्षक(हॉफ), वन विभाग, 17, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ, उ0प्र0।
2. मुख्य वन संरक्षक(वन संरक्षण) एवं नोडल अधिकारी, वन विभाग, 17, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ, उ0प्र0।
3. प्रभागीय वनाधिकारी मुजफ्फरनगर एव बिजनौर।
4. परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पी0आई0यू0 मेरठ।
5. पर्यावरण, वन एंव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय लखनऊ को वेबसाइट पर अपलोडिंग हेतु/आदेश पत्रावली।

19.07.2023
(डॉ0 प्राची गंगवार)
उप वन महानिरीक्षक (केंद्रीय)

सत्यमेव जयते

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
National Highways Authority of India
(Ministry of Road Transport & Highways Government of India)
परियोजना क्रियान्वयन इकाई – मेरठ
Project Implementation Unit, Meerut
ए-1, वैष्णो धाम, निकट गायत्री हाईट्स, कंकरखेड़ा, एन.एच.-58, मेरठ-250001
A-1, Vaishno Dham, Near Gayatri Heights, Kankerkhera, NH 58, Meerut-250001
टेलीफोन/Telephone 0121-2031220 ई-मेल/e mail meerut@nhai.org

NHAI

NHAI/PIU-MRT/GG014/2023/D-2791 Dated: 17.07.2023

To,
The Divisional Forest Officer
Muzaffarnagar
Uttar Pradesh 251001

Subject : Road-Forest Land Diversion proposal for "Improvement and Up-gradation to 4-lane configuration of Meerut-Nazibabad section of NH-119 between Km 39+165 to Km 78+635 in the state of Uttar Pradesh.
Online Proposal No: - FP/UP/ROAD/43253/2019

Ref:
1. EDS raised in 6th REC, MOEFCC, Lucknow meeting on 22/06/2023, and the minutes published, vide letter no:-11/1092/REC/2014-UP(Part-II)/157 dated 04.07.2023
2. DFO lettert no. 127/14-1 (FP/UP/ROAD/43253/2019-FCA) dated 12.07.2023

Sir,

Please refer to the above captioned subject and aforementioned reference. We, herewith submit the point wise reply of above referred letter. The detail of reply is annexed as Appendix-1.

Encl. Submitted in 05 sets.

18/7/23

(Santosh Kumar Bajpai)
Project Director

Enclosure: - Appendix -1 (Point wise details of EDS)

Anexture-1 (Avenue & Median Plantation scheme)
Anexture-2 (Revised Hastinapur wild life sanctuary notification)

Copy to:-
1. RO-West, UP, Lucknow - for information & necessary action.
2. Nodal Officer, Lucknow - for information & necessary action
3. DFO Bijnor - for information & necessary action.

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

MOEF- EDS

कार्यालय प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, मुजफ्फरनगर।

पत्रांक–127/14–1(FP/UP/Road/ 43253/2019-FCA)दिनांक, मुजफ्फरनगर, 12/07/2023।

सेवा में,

परियोजना निदेशक
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
पी0आई0यू0, मेरठ।

विषयः– जनपद मुजफ्फरनगर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0–119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 48.400 से कि0मी0 66.500 तक 27.7284 हे0 संरक्षित वन भूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 66.500 से 78.635 तक 11.1230 हे0 संरक्षित वन भूमि अर्थात कुल–38.8514 हे0 संरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 5211 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4419 वृक्ष अर्थात कुल–9630 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लाट की अनुमति के संशोधित प्रस्ताव के संबंध में (पूर्व प्रस्ताव–जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 48.400 से कि0मी0 67.180 तक 27.7437 हे0 संरक्षत वन भूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 67.180 से 79.330 तक 11.1077 हे0 संरक्षित वन भूमि अर्थात कुल–38.8514 हे0 संरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 7846 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4316 वृक्ष अर्थात कुल–12162 वृक्षों के पातन/ट्रान्स प्लाट की अनुमति का प्रस्ताव)।

संदर्भ– पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ का पत्रांक– 11/1092/आरईसी/2014– उ0प्र0 (पार्ट –2)/157, दिनांक–04.07.2023

जनपद मुजफ्फरनगर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0–119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 48.400 से कि0मी0 66.500 तक 27.7284 हे0 संरक्षित वन भूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत कि0मी0 चैनेंज 66.500 से 78.635 तक 11.1230 हे0 संरक्षित वन भूमि अर्थात कुल–38.8514 हे0 संरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर में 5211 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4419 वृक्ष अर्थात कुल–9630 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लाट की अनुमति के संशोधित प्रस्ताव के संबंध में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के संदर्भित पत्र दि0–04.07.2023 द्वारा पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार की दि0–22.06.2023 को आहूत क्षेत्रीय सशस्त समिति की 6वीं बैठक के कार्यवृत्त के एजेण्डा नं0–6.8 में विन्दु सं0–1 से विन्दु सं0–2 तक निम्नानुसार अभिलेखो एंव सूचनाओ की वांछना की गयी है–

REC approved the proposal subject to submission of following documents within 15 days-

1. Scheme for roadside plantation needs to be submited.
2. A copy of notification of sancuary area shall be provided with comments from chief wildlife warden.

अतः उपरोक्तानुसार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के संदर्भित पत्र दिनांक – 04.07.2023 के क्रम में वांछित अभिलेख/सूचना इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें ताकि प्रकरण मे नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही कि जा सकें।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

O/C

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग,
मुजफ्फरनगर

क्या 127/14–1(FP/UP/Road/ 43253/2019-FC) दिनांकित।

1. प्रतिलिपि प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव, उत्तर प्रदेश लखनऊ की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रतिलिपि मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उत्तर प्रदेश लखनऊ की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।
3. प्रतिलिपि वन संरक्षक सहारनपुर वृत्त सहारनपुर की सेवा में सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. प्रतिलिपि प्रभागीय निदेशक,सामाजिक वानिकी प्रभाग, बिजनौर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. प्रतिलिपि उप प्रभागीय वनाधिकारी मुजफ्फरनगर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. प्रतिलिपि क्षेत्रीय वन अधिकारी जानसठ रेंज को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

o/c

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

भारत सरकार
Government of India
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Ministry of Environment, Forest & Climate Change
एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ
Integrated Regional Office, Lucknow

केन्द्रीय भवन, ग्यारवां तल, सेक्टर एच, अलीगंज, लखनऊ–226024
Kendriya Bhawan, 11th Floor, Sector H, Aliganj, Lucknow-226024
Email : roez.lko-mef@nic.in, goimoefrolko@gmail.com, Phone No : 0522-2326696

पत्रांक: II/1092/आरईसी/2014–उ0प्र0(पार्ट–2)/157

दिनांक : 04.07.2023

दिनांक 22.06.2023 को आहूत "क्षेत्रीय सशक्त समिति" की 6वीं बैठक का कार्यवृत्त

एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ में उप महानिदेशक (केन्द्रीय) की अध्यक्षता में क्षेत्रीय सशक्त समिति की 6वीं बैठक संपन्न हुई जिसमें निम्न अधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया :–

1. उप वन महानिदेशक (केन्द्रीय), एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ। (चेयरमैन)
2. डा0 प्राची गंगवार, उप वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय), एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ। (सदस्य सचिव)
3. नोडल अधिकारी (वन सरक्षण), वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ–226001 (विशेष आमंत्री)
4. श्री उमेश मोहन सहाय,बी–2/429, चित्रकूट योजना, रोशन पथ, जयपुर– 302021, राजस्थान। (सदस्य)
5. श्री रामजी केसरवानी, 122, रानी मण्डी, इलाहाबाद–211003, उ0प्र0। (सदस्य)
6. श्री कपिल आर्या, ए–1, इण्डस्ट्रियल एरिया, रोशन बाग, सिविल लाईन्स, जिला–रामपुर–244901, उ0प्र0। (सदस्य)

एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ की बैठक में सम्मिलित किए गए प्रस्तावों में लिया गया निर्णय निम्नवत है–

क्रम संख्या	प्रस्ताव का नाम	जनपद	क्षेत्रफल (हे0)	Decision of REC
6.1 यू0पी0	पत्र सं0 8बी/यू0पी0/06/144/2022/एफसी0 ऑनलाईन प्रस्ताव संख्या **FP/UP/Road/123673/2021** जनपद आगरा के अन्तर्गत उ0प्र0 राज्य सेतु लि0 आगरा में एन0एच0–02 से एन0एच0–03 को जोड़ने हेतु रूनकता से रोहता मार्ग (दक्षिणी बाईपास) पर ईदगाह–बयाना रेल सेक्शन के किमी0 73/7–8 पर स्थित सम्पार सं0–68 बी/2ई पर 04 रेल उपरिगामी के निर्माण हेतु 0.0730 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग एवं 15 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लान्ट की अनुमति के सम्बंध में।	आगरा	0.0730 हे0	**REC recommended to send the proposal to MoEF&CC, Delhi for further necessary action with the recommendation that as per Para 1.21(ii) of comprehensive guidelines.** 1. The penalty for violation shall be equal to NPV of forest land per hectare for each year of violation from the date of actual diversion as reported by the inspecting officer with maximum up to five (5) times the NPV plus 12 percent simple interest till the deposit is made. 2. In case of public utility projects of the government the penalty shall be 20 % of the penalty proposed in para above.
6.2 यू0पी0	पत्र सं0 8बी/यू0पी0/06/59/2022/एफ0सी0 ऑनलाईन प्रस्ताव संख्या **FP/UP/Approach/148147/2021** कार्योत्तर स्वीकृति (Ex-post-facto) के अंतर्गत जनपद फिरोजाबाद में प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 फिरोजाबाद द्वारा आर.आई.डी.एफ.–24 योजना के तहत शिकोहाबाद–बढेश्वर मार्ग के किमी0–3 (चैनेज 2.170 से 2.340) आबादी में पडने वाली भेगनीपुर नहर के नवीन पुल के पहुँच मार्ग में प्रभावित 0.0881255 हे0	फिरोजाबाद	0. 0881255 हे0	**REC recommended to send the proposal to MoEF&CC, Delhi for further necessary action. REC also decided that-** 1. Action will be initiated against the violators by concerned DFO as per clause 3A and 3B of FCA, 1980 in accordance with

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

	संरक्षित वनभूमि के गैर–वानिकी प्रयोग एवं बाधक 04 वृक्षों के पातन/ट्रांसप्लांट की अनुमति के सम्बन्ध में।			para 1.21(i) of comprehensive guidelines. Authorization in this regard shall be communicated to the concerned DFO in line with the guidelines of the Ministry dated 15.05.2023.
6.3 यू0पी0	पत्र सं0 8बी/यू0पी0/06/58/2023/एफ0सी0 ऑनलाईन प्रस्ताव संख्या **FP/UP/Road/156163/2022** जनपद मुजफ्फरनगर में लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड मुजफ्फरनगर–शुक्रताल मार्ग (पानीपत खटीमा राज्य राजमार्ग– 12) के किमी0 चैनेज 75.500 से 96.600 तक (1.65 मी0 दोनों ओर) पेव्ड शोल्डर के साथ चौडीकरण एवं सुदृढीकरण हेतु 6.9247 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग एवं परियोजना में बाधक विभिन्न प्रजाति के 92 वृक्षों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।	मुजफ्फरनगर	6.9247 हे0	**REC deferred the proposal for want of following information:-** 1. Non-forest land needs to be provided for Compensatory Afforestation (CA). 2. No Objection certificate from Irrigation dept. needs to be submitted. Further, REC took cognizance of the fact that many proposals of public importance are delayed due to the fact that the documents are not properly scrutinized at the higher levels which causes inordinate delay in the disposal of proposals.
6.4 यू0पी0	पत्र सं0 8बी/यू0पी0/06/32/2023/एफ0सी0 ऑनलाईन प्रस्ताव संख्या **FP/UP/Road/153349/2022** जनपद कौशाम्बी में राष्ट्रीय मार्ग खण्ड लोक निर्माण विभाग द्वारा किमी 49.155 से किमी0 74.700 तक (सिंगरौर उपरहार से बरनपुर कादीपुर इचौली) पर हाईब्रिड वार्षिक मोड पर कास कर रहे एन0एच0–731ए जिला कौशाम्बी में प्रस्तावित 4 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण में प्रभावित 15.461 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैर–वानिकी प्रयोग एवं बाधक 51 वृक्षों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।	कौशाम्बी	15.461 हे0	**REC deferred the proposal for want of following information:-** 1. As per the previous query Sl No. II regarding the under demarcation of road side PF area. Revised KML file needs to be provided. 2. As per the previous query Sl No.-III regarding upload of SOI toposheet on the portal is still not resolved. Adjacent SOI toposheet (63G/6) of the area proposed for diversion needs to be uploaded on PARIVESH Portal. 3. Alternate area needs to be proposed for CA. 4. User agency/DFO needs to certify that the road was constructed prior to 1980.
6.5 यू0पी0	पत्र सं0 8बी/यू0पी0/06/15/2023/एफ0सी0 ऑनलाईन प्रस्ताव सं0 **FP/UP/Road/117342/2020** विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क विकास परियोजना के तहत हमीरपुर–राठ गरौठा गुरसराय–झांसी राज्य राजमार्ग–42 के राठ बाईपास (हमीरपुर जनपद) से गरौठा (झांसी जनपद) (मिसिंग) लिंक किमी0 74.550 से किमी0 110.360 तक	हमीरपुर, झांसी	18.1854 हे0	REC approved the proposal on normal terms and conditions along with an additional condition that roadside plantation shall be raised by SFD at the cost of User agency and scheme for roadside plantation shall be provided.

(कन्हैया पटेल) 7/12
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

	के उच्चीकरण निर्माण कार्य हेतु जनपद हमीरपुर में प्रभावित 4.068 हे० आरक्षित एवं 1.0684 हे० संरक्षित वनभूमि कुल 5.1364 हे वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग एवं बाधक 327 वृक्षों/पौधों के पातन एवं जनपद झांसी में प्रभावित 13.049 हे० आरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग एवं बाधक 2127 वृक्षों/पौधों के पातन अर्थात कुल 18.1854 हे० वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग एवं बाधक 2554 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।			
6.6 यू०पी०	पत्र सं० 8बी/यू.पी./09/301/2022/एफ.सी. ऑनलाईन प्रस्ताव सं० **FP/UP/Others/157199/2022** जनपद मुजफ्फरनगर में श्री शुकदेव आश्रम स्वामी कल्याणदेव सेवा ट्रस्ट, शुक्रताल (मुजफ्फरनगर) को ग्राम-शुक्रताल बांगर में पूर्व में शासकीय विज्ञप्ति संख्या-2002/14-ख-187/53, दिनांक 11.06.1970 द्वारा दिनांक 01.01.1950 से दिनांक 31.12.1979 तक 30 वर्षों तक लीज पर दी गयी 5 एकड़ (2.0243 हे0) आरक्षित वन भूमि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत 01.01.1980 के अन्तर्गत दिनांक 01.01.2010 से 31.12.2039 तक लीज नवीनीकरण के सम्बन्ध में।	मुजफ्फरनगर	2.0243 हे०	REC deferred the proposal subject for want of following information:- 1. How much forest land in Uttar Pradesh has been given under lease and the present status of such forest land. 2. Concerned CF needs to submit De-Novo Site inspection report on the present land use status of the area. 3. Concerned DFO needs to provide comments on the non-forest land provided for CA in terms of suitability for plantation works. 4. The status of boundary rationalization of the sanctuary and whether approval from SCNBWL is required? 5. The justification for treating the proposal as site specific needs to be provided.
6.7 यू०पी०	पत्र सं० 8बी/यू.पी./06/295/2021/FC ऑनलाईन प्रस्ताव सं० **FP/UP/Road/144793/2021** उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के निर्माण में जनपद अमरोहा में प्रभावित 1.68 हे० आरक्षित वनभूमि एवं बाधक 3629 वृक्षों के पातन, प्रतापगढ़ में प्रभावित 1.0749 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 2716 वृक्षों के पातन, रायबरेली में प्रभावित 23.552 हे० आरक्षित वनभूमि तथा 6.1746 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 47258 वृक्षों के पातन, उन्नाव में प्रभावित 61.3621 हे० आरक्षित वनभूमि तथा 6.4218 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 106144 वृक्षों के पातन, हापुड़ में प्रभावित 2.0342 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 839 वृक्षों के पातन, बदायूँ में प्रभावित 4.9257 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 1554 वृक्षों के पातन, शाहजहाँपुर में प्रभावित 3.907 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 865 वृक्षों के पातन, सम्भल में प्रभावित 4.052 हे० संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 4023 वृक्षों के पातन	अमरोहा, प्रतापगढ़, रायबरेली, उन्नाव, हापुड़, बदायूँ, शाहजहाँपुर, सम्भल एवं हरदोई।	121.4716 हे०	REC decided that translocation of trees may not be imposed in this case since most of the trees are already felled. Separate meeting may be convened to deliberate on the issues w.r.t. Dolphin conservation plan and plantation along roadside.

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

	एवं हरदोई में प्रभावित 4.0551 हे0 आरक्षित वनभूमि तथा 2.2322 हे0 संरक्षित वनभूमि एवं बाधक 138 वृक्षों के पातन अर्थात् परियोजना में प्रभावित 90.6492 हे0 आरक्षित वनभूमि तथा 30.8224 हे0 संरक्षित वनभूमि कुल 121.4716 हे0 वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग एवं बाधक 167166 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।			
0	पत्र सं0 8बी/यू0पी0/06/265/2021/एफ.सी. ऑनलाईन प्रस्ताव सं0 FP/UP/ROAD/43253/2019 संशोधित प्रस्ताव: जनपद मुजफ्फरनगर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना कार्यान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0–119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 48.400 से किमी0 66.500 तक 27.7284 हे0 संरक्षित वनभूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 66.500 से 78.635 तक 11.1230 हे0 संरक्षित वनभूमि अर्थात कुल 38.8514 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर मे 5211 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4419 वृक्ष अर्थात कुल 9630 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लान्ट की अनुमति के सम्बन्ध मे। पूर्व प्रस्ताव– भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना कार्यान्वयन इकाई, मेरठ द्वारा मेरठ नजीबाबाद मार्ग खण्ड एन0एच0–119 के जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 48.400 से किमी0 67.180 तक 27.7437 हे0 संरक्षित वनभूमि एवं जनपद बिजनौर के अन्तर्गत किमी0 चैनेज 67.180 से 79.330 तक 11.1077 हे0 संरक्षित वनभूमि अर्थात कुल 38.8514 हे0 संरक्षित वनभूमि के गैरवानिकी प्रयोग तथा विभिन्न प्रजातियों के बाधक वृक्ष जनपद मुजफ्फरनगर मे 7846 वृक्ष व जनपद बिजनौर में 4316 वृक्ष अर्थात कुल 12162 वृक्षों के पातन/ट्रान्सप्लान्ट की अनुमति के सम्बन्ध में।	मुजफ्फरनगर बिजनौर	38.8514 हे0	REC approved the proposal subject to submission of following documents within 15 days- 1. Scheme for roadside plantation needs to be submitted. 2. A copy of notification of sanctauary area shall be provided with comments from Chief Wildlife Warden.

24.07.2023
(डा0 प्राची गंगवार)
सदस्य सचिव,
क्षेत्रीय सशक्त समिति, लखनऊ

CIA

(कन्हैया पटेल) 7/23
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

Appendix-I

Compliance of EDS raised in 6th REC, MoEFCC , Lucknow meeting, and the minutes published, vide letter no: - II/1092/REC/2014- UP (Part-2)/ 157; on dated 04/07/2023

Name of Project Road- Forest Land Diversion proposal for "Improvement and Up-gradation to 4-lane configuration of Meerut-Nazibabad section of NH-119 between Km 39+165 to Km 78+635 in the state of Uttar Pradesh".

Online Proposal No: - *FP/UP/ROAD/43253/2019*

SL	EDS raised in REC, MoEFCC Lucknow dated22/06/2023	Compliance by User Agency
1	Scheme for roadside plantation needs to be submitted	**Complied.** Roadside plantation / Avenue Plantation scheme is already submitted with Forest Land Diversion proposal and the same has already been uploaded on Parivesh Portal. Same is submitted again for ready reference as **Annexure-I**
2	A copy of notification of sanctuary area shall be provided with comment from chief wildlife warden.	**Complied** Hastinapur Wildlife Sanctuary Boundary has been revised vide Gazette Notification number 92/81-4-2023-852-97 dated 6th February 2023 **Annexure-II.** Subject-Forest Land Diversion Proposal also attracts Wildlife Clearance under Wildlife (Protection) Act 1972 and Wildlife Clearance Proposal is under process with Wildlife Warden. The comment of Chief Wildlife Warden will be provided once, the processing of Wildlife Proposal is completed from office of Chief Wildlife Warden.

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

Annex-1

Avenue & Median Plantation Scheme

Name of Project: - Project Name: - Forest Land Diversion proposal for "Improvement and Up-gradation to 4-lane configuration of Meerut-Nazibabad section of NH-119 between Km 39.165 to Km 78.635 in the state of Uttar Pradesh".

Online Proposal No; - FP/UP/ROAD/43253/2019

Area of Forest Land Diversion: - 38.8514 Hectare

Length of Project Road: - 39.470 Km

Santosh Kumar Bajpai Project Director Project Implementation Unit Meerut, Uttar Pradesh. **Signature: -** **Seal: -**	17/7/23 Santosh Kumar Bajpai Project Director National Highways Authority of India PIU - Meerut

d/s
(कन्हैया पटेल) /7/23
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

Table of Contents

1. Introduction 2
2. Objectives of the Project: 2
3. Average width available for avenue plantation 2
4. Plantation strategy 2
5. Average width available for median plantation: 3
Table 1: Details of Median & Avenue Plantation 3
Table 2: Details of Avenue Plantation 3
6. Plantation Layout Plan and Pits digging 5
Figure 1: Plantation Layout Plan 5
7. Technical Specifications 5
Table 3: Technical Specifications of Ornamental/ Flowering Plants 6
8. Species Planned for median Plantation: 6
Table 4: Species Proposed for Median Plantation 6
9. Species Planned for 1st Row of Avenue Plantation: 7
Table 5: Species Recommended for 1st Row of Avenue Plantations 7
10. Planting Material: 7
a. Insecticide/pesticide/fungicide: 7
b. Manure/compost/fertilizer: 8
c. Watering Plan: 8
d. Plantation Protection Plan: 8
e. Fire: 8
f. Insects and fungi: 9
g. Wild animals: 9
h. Domestic animals: 9
i. Barbed Wire fencing: 9
11. Benefit of tree plantation in terms of Greenhouse effect 9
12. Abstract of estimated project cost: 10
13. Source of fund for implementation scheme 10
Typical Cross sections of project road 11

(कन्हैया पटेल) 17/7/23
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

1. Introduction

Plantation Scheme

This proposed plantation scheme is for the project namely "Improvement and Up-gradation to 4-lane configuration of Meerut-Nazibabad section of NH-119 between Km 39.165 to Km 78.635 in the state of Uttar Pradesh". The plantation scheme is prepared to compensate the ecological loss for felling of trees, development of aesthetic values and enhancement microclimatic conditions. Avenue and median plantation will be carried out as per IRC SP: 21 2009 and National Green Highways Policy 2015. The project road for which the Plantation scheme is prepared is located in District Meerut, Muzaffarnagar and Bijnor, Uttar Pradesh. The total length of the project road is 39.470 km, traverse predominantly through Agricultural and settlement area. Keeping in view of prevailing code for plantation and availability of land one row plantation can be accommodated and the same is provisioned. All together approx. 25500 nos. of shrubs in median and 11500 trees as avenue plantation will be planted within the PRoW of project road.

2. Objectives of the Project:

The main objectives of planting along the project road are as follows: -

- For aesthetic enhancement of the project road by plantingselective ornamental trees, median plantation with ornamental shrubs and turfing with grasses.
- To reduce the impacts of air pollution and dust as trees and shrubs are known to be naturalsink for air pollutants.
- To provide much needed shade on glaring hot roads during summer.
- To reduce the impact of ever-increasing noise pollution caused due to increase in number ofvehicles.
- To arrest soil erosion at the embankment slopes.
- Prevention of glare from the headlight of incoming vehicles.
- Moderating the effect of wind and incoming radiation

3. Average width available for avenue plantation

Project road is a section of existing highway (NH119) between Meerut and Bijnor. In general proposed right of way (PRoW) is 60 meters, while the existing road width (Bituminous) is of 10 meter (2 lane). There is an elevated road section near Ganaga Barrage between km 62+000 to 66+500 accordingly roadside avenue plantation is not provisioned, However, median plantation will be carried out. Similarly, there is provision of service road (both side measuring km 18.83 km at different location and in this section plantation is not possible (either side) so in these section only Median Plantation in two row is proposed.

4. Plantation strategy

Keeping in view of availability of land, which is between 5 to 7.5 meter either side, single row plantation is proposed. The project road runs through urban and semi-urban areas accordingly a combination of ornamental, shade and screening trees have been proposed. Wildlife Institute of India (WII) Dehradun has also been engaged for the study pertain to wildlife conservation and mitigation and it is recommended that "No avenue plantation or planting of fruit-bearing trees should be done along the sensitive stretches of the highway". This is primarily to keep away the birds and other animals like Monkey from highway so the associated collision with vehicle can be avoided.

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभा
मुजफ्फरनगर

17/3/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

5. Average width available for median plantation:

Average width available for median plantation is 4.0 m.

The area/location of avenue and median has been presented in **Table 1 & 2** below.

Table 1: Details of Median & Avenue Plantation

Details of Median Plantations									
SL	Type of Plantation	Length (Km)		Length (km)	Width kept for plantation (m)	Plant to Plant distance (m)	No. of row	Total no. of plant to be planted	Remarks
		From	To						
1	Median	39.165	78.635	39.470	4.00	3	2	25500.00	As the project is of 4 lane with paved shoulder 4.0 meter median is provision which can accommodate 26287.00 in 2 row at plant to plant distance 3 meter in staggered way. However, at site keeping in view of road user safety / and site clearance at curve / at median opening/ at junctions, the total number of median plants may likely to slightly reduce and for the purpose of calculation the figure kept is 25500.00
		Total median plantation						25500.00	

Table 2: Details of Avenue Plantation

SL	Type of Plantation	Chainage		Length (Km)	Width kept for plantation (m)	Plant to Plant distance (m)	No. of Row	Total no. of plant	Remarks
		From	To						
1	Avenue	42.000	44.000	2.000	5.0 -7.5	3	1+1	1332	New Construction of 4-Lane with Paved Shoulder, Behsuma Bypass 39.85-45.70
2		46.900	47.700	0.800	5.0 -7.5	3	1+1	532	New Construction of 4-Lane with Paved Shoulder, Ramraj Bypass 46.30-49.50
3		51.100	54.640	3.540	5.0 -7.5	3	1+1	2357	New Construction of 4-Lane with Paved Shoulder Mirapur Bypass 50.30-55.30
4		55.700	58.500	2.800	5.0 -7.5	3	1+1	1864	LHS Eccentric

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

								Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder
5		58.500	59.300	0.800	5.0 -7.5	3	1+1	532	New Construction of 4-Lane with Paved Shoulder & Service Road in Built-Up Area , Kelapur Jasmor
6		61.400	62.000	0.600	5.0 -7.5	3	1+1	399	RHS Eccentric Widening and Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder
7		62.000	62.770	0.770	5.0 -7.5	3	1+1	513	New Construction of 4-Lane with Paved Shoulder (Realignment)
8		62.770	63.180	0.410	5.0 -7.5	3	1+1	273	New Construction of Ganga Bridge Approach without Service Road
9				0.000					New Construction of Ganga Bridge / Viaduct
10		65.970	66.400	0.430	5.0 -7.5	3	1+1	286	New Construction of Ganga Bridge Approach without Service Road
11		66.400	68.000	1.600	5.0 -7.5	3	1+1	1066	RHS Eccentric Widening and Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder
12		68.000	68.700	0.700	5.0 -7.5	3	1+1	466	Concentric Widening and Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder
13		68.700	70.680	1.980	5.0 -7.5	3	1+1	1319	LHS Eccentric Widening and Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder
14		76.200	77.700	1.500	5.0 -7.5	3	1+1	999	New Construction of 4-Lane with Paved Shoulder (Bypass)
15		78.700	78.810	0.110	5.0 -7.5	3	1+1	73	RHS Eccentric Widening and

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्र
मुजफ्फरनगर

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

									Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder
				18.04				12011	

Total Avenue Plantation calculated – 12011.00.
Considering cross drainages and underpasses it is estimated that total number of plants can be planted, will be 11500.00.

6. **Plantation Layout Plan and Pits digging**

Although multiple rows of plantation are advisable for better protection against soil erosion and water purification but due to constrain in space as well as significant part of road section is traverse through populated area, single row avenue plantation is proposed. However, median plantation is proposed in 2 row all through the project road length. Median plantation tis o be done in staggered manner. The plantation layout plan has been shown in **Figure 1** below.

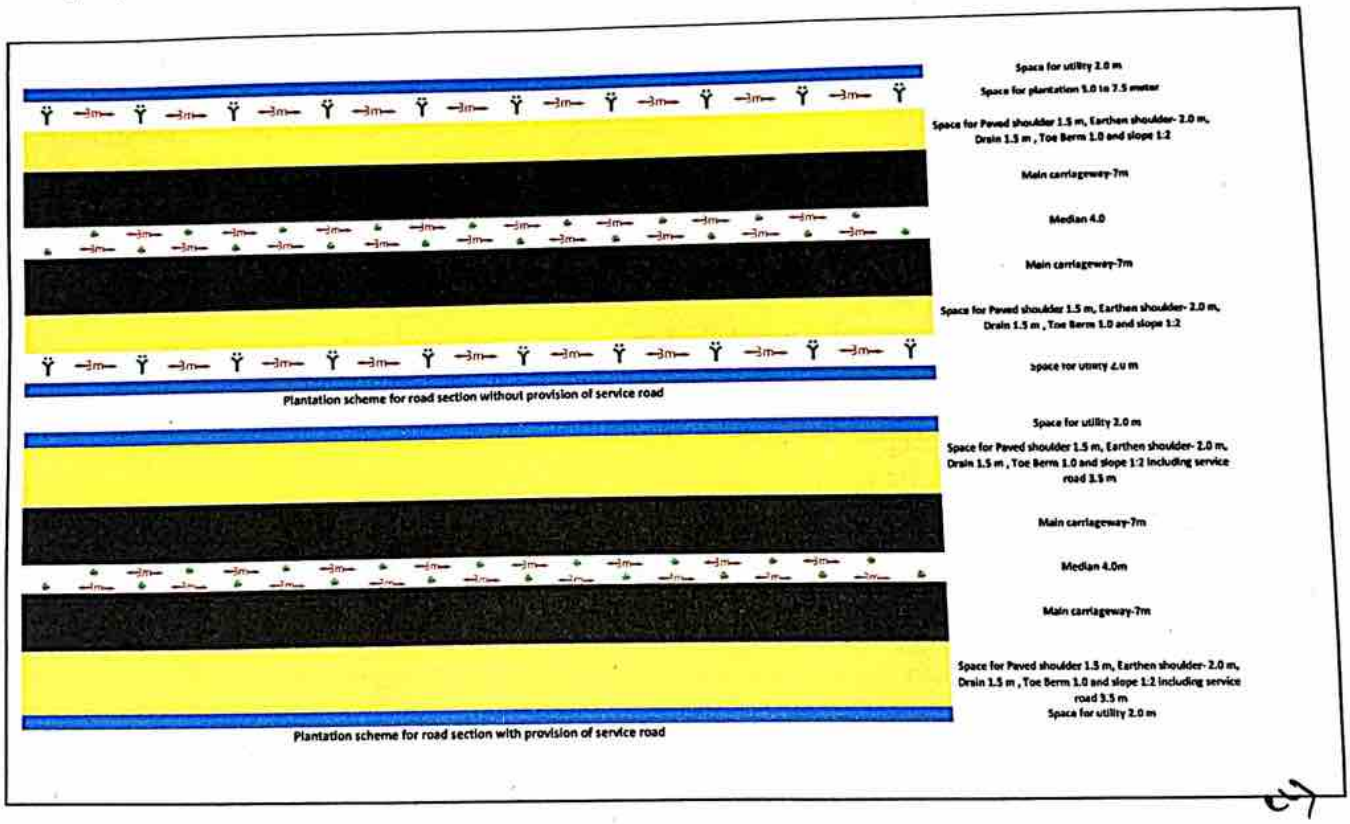

Figure 1: Plantation Layout Plan

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

7. **Technical Specifications**

The technical specifications specified here are proposed and during execution of project the concerned DFO may suggest for some modification as per site condition or condition stipulated in In-principal approval

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

conditions. The technical specifications of ornamental/flowering plants have been presented in Table 3.

Table 3: Technical Specifications of Ornamental/ Flowering Plants

Distance from embankment	1m away from the toe of embankment
Spacing between plant to plant	1m in case of single row median plantation (at median opening considering road user safety) 3 meter spacing in 2 row staggered in 4.0 meter wide median. Avenue plantation is proposed in single row at spacing of 3 meter.
Canopy Shape & Size	Preferable Cylindrical/oblong with small CSA/ having vertical canopy growth.
Spacing between rows	Single row plantation
Size of the pits (normal soil)	60 X 60 X 60 cm
No of plants per Km for median	333 x 2 = 666
No. of plants per km for avenue	333 x 1+1 = 666
Height of the plant	1.5 m to 2 m

8. **Species Planned for median Plantation:**

The shrubs to be planted in the median shall be of low or medium height for prevention of the headlight glare. Two rows of flowering shrubs have proposed as in general median width is 4.0 meter. However, in sections (at location of median opening, junction) where the median width is less than 1.5 m, only grasses turf has been proposed. Some herbaceous species may also be planted as ground cover, not only on the medians but on special landscapes and embankment slopes also.

In median width of less than 3 meters one row of shrub whereas in 3.5 to 4.0 m median width, plantation of two rows of flowering shrubs at a spacing of 1.5 m and atleast 0.75 to 1 m from the inner edge is proposed. The plants shall be at spacing of 3 X 3 m and size of the pits for planting shall be 0.6 m dia and deep.

The surface for the median plantation shall be well prepared. The masses of loose debris on the median and any convexities shall be removed and similarly any concavities are to be filled with good soil. The surface shall have sufficient layer of good quality soil so as to have a better growth and survival of grasses and shrubs. As the plantable length for median plantation is approx. 39.0 km and for avenue plant is 18.0 km limited variety of shrubs and avenue plants are proposed to maintain landscaping. Species proposed for median plantation has been presented in Table 4 below.

Table 4: Species Proposed for Median Plantation

S. No.	Botanical Name	Common Name
1.	*Bougainvillea spectabilis*	Great Bougainvillea
2.	*Tecoma stans*	Yellow elder

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
Unit - Meerut

5. Species Planned for 1st Row of Avenue Plantation:

Single row of plantation along the project road have been worked out based on the land availability which is between 5 to 7.5 meter within the PROW. Based on codal provision of plantation and land scaping in highway project (IRC: SP:21:2009 and Green highway policy 2015, the Agro-climatic zone and climatic conditions following tree species as presented in **Table 5** proposed to be planted in 1st row.

Table 5: Species Recommended for 1st Row of Avenue Plantations

SL	Botanical Name	Local Name	Remarks
1.	*Bauhinia variegata*	Kachnar	In km/ chainages where available land with for avenue plantation is 5-6 meter
2.	*Cassia fistula*	Amaltas	In km/ chainages where available land with for avenue plantation is 5-6 meter
3.	*Delonix regia*	Gulmohar	In km/ chainages where available land with for avenue plantation is 5-6 meter
4.	*Terminalia arjuna*	Arjun	In km/ chainages where available land with for avenue plantation is 6-7.5 meter
5	*Pongamia pinnata*	Kanji	In km/ chainages where available land with for avenue plantation is 6-7.5meter

10. Planting Material:

Plant quality determines success in plantation, particularly in relation to root development. Once the plantation contractor has selected which tree species to use it is then important to select seedlings that are best suited to the site conditions but also ensure that the seed stock is healthy (i.e., it comes without pests or diseases).

a. Insecticide/pesticide/fungicide:

When a plant cannot function normally, it is diseased. The primary causes of disease in trees are pathogens and environmental factors. Trees have many disease pathogens: viruses, bacteria, fungi, nematodes, mycoplasma-like organisms, and parasitic higher plants. Fungal pathogens are the most prevalent. They cause seed rots, seedling damping-off, root rots, foliage diseases, cankers, vascular wilts, diebacks, galls and tumors, trunk rots, and decays of aging trees. Unfavorable weather and environmental factors such as temperature and moisture extremes, high winds, or ice can damage trees directly and predispose the trees to pest attack.

All parts of a tree—roots, stems, foliage, shoots and terminal leaders—are vulnerable to attack by pests. Pest damage can range from slight damage that has no effect on the value of the harvested product to severe damage that stunts or kills the trees or reduces their market value. Tree pests include insects and mites, diseases, weeds, vertebrates, and nematodes. Managing tree pests effectively should be based on thorough consideration of ecological and economic factors.

Pesticides are a very important tool in Integrated pest management (IPM) when large pest populations threaten high-value trees. Knowledge of the pest's life cycle, selection of an appropriate pesticide, proper timing of theapplication, and use of the right application equipment will improve coverage and effectiveness. The ability to recognize beneficial bio control organisms, combined with cultural and mechanicalcontrols, may allow to reduce, delay, or eliminate pesticide treatment of a minor pest problem. The method chosen to apply a pesticide will depend on the nature and habits of the target pest, the site, the pesticide, available application equipment and the cost and efficiency of alternativemethods. The choice is often predetermined by one or more

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
राष्ट्रीय वानिकी प्रबन्ध
मुजफ्फरनगर

7/7/23

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

- Broadcast application is the uniform application of a pesticide to an entire area.
- A directed-spray application targets pests in a specific area in an effort to minimize pesticidecontact with the crop or beneficial insects.
- Foliar application directs pesticide to the leafy portions of a plant. Spot treatment isapplication of a pesticide to small, discrete areas.
- Soil application places pesticide directly on or in the soil rather than on a growing plant.
- Soil incorporation is the use of tillage equipment to mix the pesticide with the soil.
- Soil injection is application of a pesticide beneath the soil surface.

b. Manure/compost/fertilizer:

Manures are plant and animal wastes that are used as sources of plant nutrients. They release nutrients after their decomposition. The art of collecting and using wastes from animal, human and vegetable sources for improving crop productivity is as old as agriculture. Manures are the organic materials derived from animal, human and plant residues which contain plant nutrients in complex organic forms. Naturally occurring or synthetic chemicals containing plant nutrients are called fertilizers. Manures with low nutrient, content per unit quantity have longer residual effect besides improving soil physical properties compared to fertilizer with high nutrient.

Farmyard manure refers to the decomposed mixture of dung and urine of farm animals along with litter and left-over material from roughages or fodder fed to the cattle. On an average well decomposed farmyard manure contains 0.5 per cent N, 0.2 per cent P_2O_5 and .0.5 per cent K_2O. Urine, which is wasted, contains one per cent nitrogen and 1.35 per cent potassium.

c. Watering Plan:

Watering in avenue as well as median plantations need at least periodic watering during the first growing season to obtain a satisfactory survival rate. Watering will begin after the cessation of rains, when the moisture content of the soil has fallen to near the wilting coefficient; then watering should be repeated at intervals until the onset of the next rainy season. Before each watering, the area around the tree will be cleared of weeds, and a shallow basin should be made around the stem of each tree or shrub to collect as much water as possible. In some instances, regular cultivation and weeding, especially during the first growing season, are sufficient measures to conserve soil moisture for satisfactory survival of the plants, eliminating the need for watering. Sine, length of project road is only 10.135 km, watering for proposed plantation can be easily done through water tanker from available surface water sources such as canal located at km 63+180

(कन्हैया पटेल) 17/7/23
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

d. Plantation Protection Plan:

Once are plants established; the work shall not be considered finished. It will be necessary to protect the plantation against weather, fire, insects, fungi, and animals. A variety of cultural treatments also may be required to meet the purpose of the plantation.

e. Fire:

Damage by fire imposes a serious threat to plantations. The fire risk is generally high in the dryer climatic regions; but, even in relatively moist or high rainfall areas, there may be warm and dry spells when the fire

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
Unit - Meerut

development.

f. Insects and fungi:

Most insects and fungi are selective of the host species. In their natural environment, trees and shrubs normally attain a state of equilibrium with indigenous pests. However, when exotic trees and shrubs are planted, exotic pests can also be introduced. Quite often, these exotic pests readily adapt themselves to the conditions of their new habitat. In general, the risk of damage from pests ishigher when the plants are physiologically weakened from planting on unsuitable sites, impropersite preparation, inefficient planting, adverse climatic conditions, or neglect of weeding and other maintenance operations. The main precautions to be taken in guarding against possible future damage from insects and fungi are to plant tree or shrub species that are suitable to the climaticand soil conditions of the site.

Insects and fungi can often be checked by applications of appropriate chemical Insecticides or fungicides. Usually, these chemicals are available as liquids (or wettable powder), dusts, or smokes. Spraying with hand-operated spray guns or portable mist-blowers is frequently used to control attacks in young plantations; with canopy closure, aerial spraying and dusting or smoking can be more effective and cheaper. Only previously tested and environmentally sound insecticides and fungicides should be prescribed for use.

g. Wild animals:

Damage to avenue plantations by wild animals mainly takes the form of tree browsing or de- barking. In general, there are three orders of wild animals responsible for damage: rodents (rats, mice, and moles and squirrels); lagomophs (hares and rabbits); and artiodactyls (pigs and buffaloes). The principal method of controlling damage by wild animals involves the use of fences, hedges or ditches, trapping and removal, and poison baits. Since, significance part of the project road is located in Wildlife area / close to wildlife so there is chance of damaging plant by wild animal.

h. Domestic animals:

Grazing or browsing by sheep, goats and cattle can be a menace to young plantations. At times, hedges and fences are used to prevent intrusion by domestic animals. Where fencing costs are high, trespass by livestock can be controlled by guards.

The fencing of single row plantation is generally done by using iron/bricks/cement guards. Under this plantation scheme, locally available bamboo/ wooden and iron guards are proposed to ensure the protection of avenue plant. The description and specification for the iron guards as per **IRC: SP: 21-2009** are given below:

i. Barbed Wire fencing:

The fencing of multiple rows plantations will be done preferably by barbed wire. five strands barbed wire fencing, with cross strands, stretches on angle iron is recommended. Live fencing/ bamboo fencing/thorn fencing may be used where protection can be ensured through them.

<u>As per site condition the barbed wire fencing is the most suitable and cost effective option recommended for protection of plantation.</u>

11. Benefit of tree plantation in terms of Greenhouse effect

Trees help by removing (sequestering) CO_2 from the atmosphere during photosynthesis to form carbohydrates

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

half of the greenhouse effect is caused by CO_2. Therefore, trees act as carbon sinks, alleviating the greenhouse effect. On average, one acre of new forest can sequester about 2.5 tons of carbon annually. Young trees absorb CO_2 at a rate of 5.9 kg per tree each year. Trees reach their most productive stage of carbon storage at about 10 years at which point they areestimated to absorb 21.8 kg of CO_2 per year.

Trees also reduce the greenhouse effect by shading houses and office buildings. This reduces the need for air conditioning by up to 30 percent which in tum reduces the amount of fossil fuels burnedto produce electricity. The combination of CO_2 removal from the atmosphere, carbon storage in wood and the cooling effect makes trees extremely efficient tools in fighting the greenhouse effect. Planting trees remains one of the most cost-effective means of drawing excess CO_2 from the atmosphere.

12. Abstract of estimated project cost:

The estimate is prepared based on market price and similar cost estimation for neighboring districts. The abstract of estimated cost of plantation including 5 years of maintenance is presented in **Table 6** below:

Table 6: Cost of Plantation

SL	Type of Plantation	Unit cost of Plantation (Rs.)	Number of Plants	Cost (Rs.)
1.	Avenue Plantation	3000	11500.00	3,45,00,000.00
2.	Median Plantation	1200	25500.00	3,06,00,000.00
Total			**37000.00**	**6,51,00,000.00**
In words; six crores fifty-one lakhs only.				

13. Source of fund for implementation scheme

The concessionaire will be responsible for plantation and its maintenance; accordingly, the budget of this plantation scheme is included in project cost/

----------End----------

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

17/3/23

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

Typical Cross sections of project road

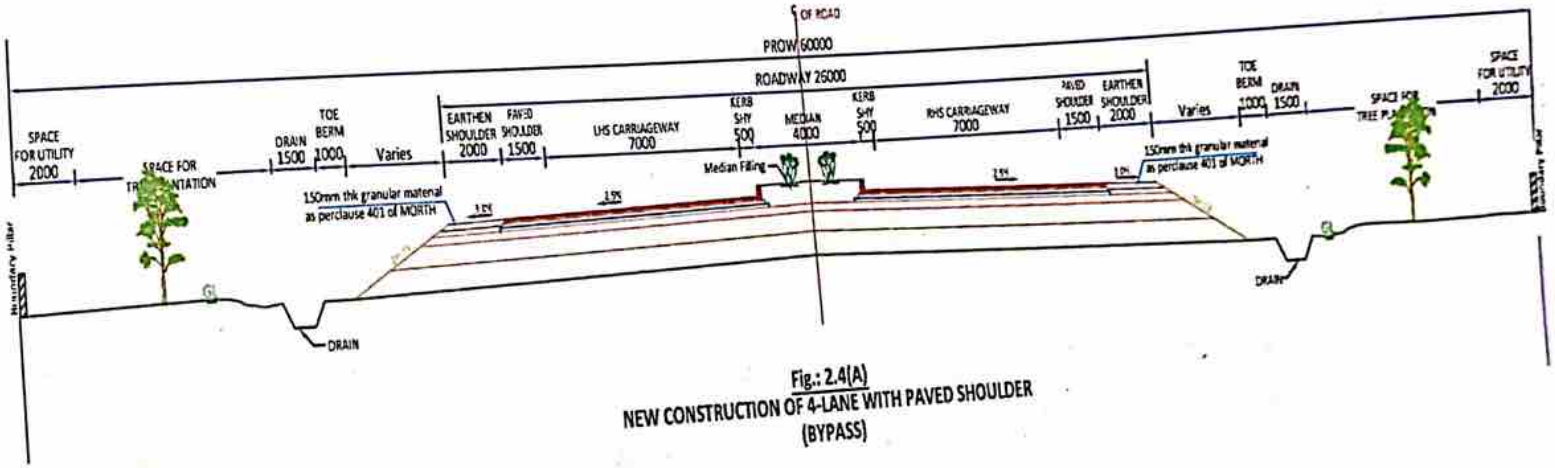

Fig.: 2.4(A)
NEW CONSTRUCTION OF 4-LANE WITH PAVED SHOULDER (BYPASS)

Fig: 2.4(B)
Concentric widening & Reconstruction to 4-Lane with Paved shoulder

Santosh Kumar Baijpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

Fig: 2.4(C)
LHS ECCENTRIC WIDENING AND RECONSTRUCTION
TO 4-LANE WITH PAVED SHOULDER

Fig: 2.4(D)
RHS ECCENTRIC WIDENING AND RECONSTRUCTION TO 4-LANE WITH PAVED SHOULDER

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

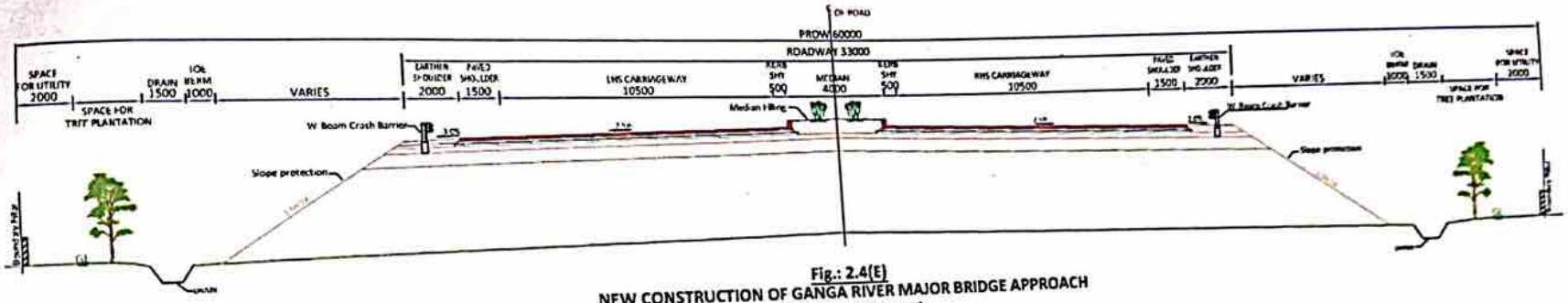

Fig.: 2.4(E)
NEW CONSTRUCTION OF GANGA RIVER MAJOR BRIDGE APPROACH
(ON REALIGNMENT)

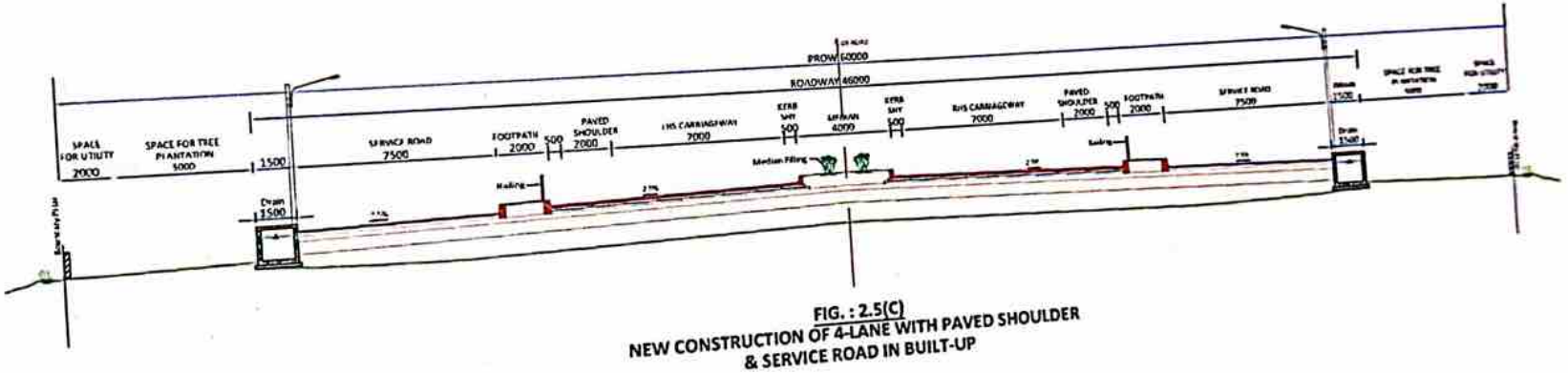

FIG. : 2.5(C)
NEW CONSTRUCTION OF 4-LANE WITH PAVED SHOULDER
& SERVICE ROAD IN BUILT-UP

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

(कन्हैया पटेल)
प्रभारीय निदेशक
सामाजिक, वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

Annex - II

क्रम-संख्या–17 (क)

रजिस्ट्रेशन नम्बर–एस०एस०पी०/एल०–
डब्लू०/एन०पी०–91/2014–16
लाइसेन्स टू पोस्ट ऐट कन्सेशनल रेट

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग–4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, सोमवार, 6 फरवरी, 2023

माघ 17, 1944 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग–4

संख्या 92/81-4–2023–852–97

लखनऊ, 6 फरवरी, 2023

अधिसूचना

प0आ0–30

चूँकि राज्य सरकार की राय है कि ऐसा क्षेत्र, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, वन्य जीवों और उनका पर्यावरणीय संरक्षण, संवर्द्धन और विकास करने के प्रयोजनार्थ पर्याप्त पारिस्थितिक, प्राणिजात, पादपजात, भू–आकृतितत्व, प्राकृतिक और प्राणितत्वीय महत्व का है;

और, चूँकि, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (अधिनियम संख्या 53 सन् 1972) की धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल ने अधिसूचना संख्या 3782/14-3–57-84, दिनांक 30 जुलाई, 1986 की अनुसूची में सूचीबद्ध 2073 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र को "हस्तिनापुर वन्य जीव विहार" के रूप में गठित किये जाने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और, चूँकि, राज्य सरकार द्वारा नियुक्त कलेक्टर ने पूर्वोक्त वन्य जीव विहार की सीमाओं के भीतर समाविष्ट भूमि में या उस पर विद्यमान अधिकारों की प्रकृति तथा सीमा अवधारित किया है;

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

और, चूँकि, राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने मूल आवेदन संख्या–325 सन् 2018 (गौरव कुमार बंसल बनाम भारत संघ और अन्य) में आदेश दिनांक 31 मई, 2019 द्वारा हस्तिनापुर वन्य जीव विहार के सम्बन्ध में पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 26क के अधीन अधिसूचना जारी करने का निदेश दिया है;

और, चूँकि, राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड ने एफ0सं0 6–101/2020 डब्ल्यूएल, दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 द्वारा पूर्वोक्त वन्य जीव विहार के सुव्यवस्थीकरण के प्रस्ताव की संस्तुति की है;

17/7/23

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

अतएव अब वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (अधिनियम संख्या 53 सन् 1972) की धारा 26क के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, यह घोषणा करती हैं कि ऐसा क्षेत्र, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में उल्लिखित है, इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से "हस्तिनापुर वन्य जीव विहार" की सीमाएं होंगी।

अनुसूची

"हस्तिनापुर वन्य जीव विहार" में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण

सीमा का विवरण

उत्तर–जनपद मुजफ्फरनगर में डब्ल्यू0आई0आई0 द्वारा दी गयी जी0पी0एस0 क्रम संख्या 01 से ग्राम मलकपुरा तक, जी0पी0एस0 क्रम संख्या 02, तत्पश्चात ग्राम जिन्दावाला, फरीदपुर, शाहदरा तहसील मुजफ्फरनगर के अधिकांश ग्रामों का क्षेत्र झील के रूप में है, से होते हुए (डब्ल्यू0आई0आई0 जी0पी0एस0 क्रम संख्या 05) ग्राम अलमावाला से (जी0पी0एस0 क्रम संख्या 06) ग्राम कानेवाली बख्शीराम तक, ग्राम मजलिसपुर (डब्ल्यू0आई0आई0 जी0पी0एस0 क्रम संख्या 08) से नदी के साथ–साथ डब्ल्यू0आई0आई0 जी0पी0एस0 क्रम संख्या 12 ग्राम लुकाधडी तक एवं ग्राम लुकाधड़ी (डब्ल्यू0आई0आई0 जी0पी0एस0 क्रम संख्या 12) से डब्ल्यू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 15 जो जनपद बिजनौर की उत्तरी सीमा का प्रारम्भिक विन्दु है, पर समाप्त। जनपद बिजनौर की सीमान्तर्गत डब्ल्यू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 15 से प्रारम्भ होकर ग्राम गोवर्धनपुर, इन्दरपुर, राजरूप, बी0ए0, मुहीद्दीनपुर एवं दयालवाला पर समाप्त।

पूर्व–ग्राम दयालवाला, तैयबपुर काजी, मानशाहपुर, भोगपुर पट्टी हरसुख, देवापुर रावली, गंगोई खादर, खेड़की हेमराज, आलमपुर नीला से मध्य गंगा नहर की बांयी पटरी एवं चान्दपुर के अंतर्गत सादाबाद, मुबारकपुर, अलीपुरा, अजदेव, शेखपुरी से ठेठ तक तथा जनपद अमरोहा की तहसील धनौरा में स्थित सुनपुरा, कादराबाद, वलीपुरा (आंशिक), फिरोजपुर बगद (आंशिक), जयथल मुस्तकम (आंशिक), शेरपुर मुस्तकम (आंशिक), मोहसनपुर ग्रामों की बाहरी सीमा व कांकाठेर में डब्लू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 95 तक पूर्व दिशा।

दक्षिण–जनपद अमरोहा में डब्लू0आई0आई0 जी0पी0एस0 क्रम संख्या 95 से प्रारम्भ होकर डब्लू0आई0आई0 जी0पी0एस0 क्रम संख्या 96 दिल्ली–बरेली रेलवे लाईन की बांयी पटरी किमी0 50 से 56 तक से होते हुए जनपद हापुड़ की सीमा पर स्थित रेलवे लाईन के निकट स्थित डब्लू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 97 तक।

पश्चिम–जनपद हापुड़ में डब्लू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 97 से प्रारम्भ होकर ग्राम–बख्तावरपुर स्थित झील के पास से होते हुए श्री हरि इन्टर कॉलिज से ग्राम गडावली के सोमनाथ आश्रम के सामने से होते हुए गढ़मुक्तेश्वर कस्बे की बाहरी सीमा से होते हुए ग्राम शाहपुर चौधरी की बाहरी सीमा से ग्राम कोथला बांगर, शौगढ़, कल्याणपुर, अलहदादपुर उर्फ कुलपुर, झड़ीना एवं सैदपुर से जनपद मेरठ की सीमा तक डब्लू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 107(गुलेटर चौकी) तक, जनपद मेरठ में असीलपुर गुलेटर चौकी से पीर खाकरान से पहले नंगला गोसाई से जयसिंहपुर सड़क पर कब्रिस्तान से होते हुए ग्राम गुढा से हुमायुपुर पक्की सड़क से अकबरपुर इच्छाबाद से चकरोड के साथ होते हुए ग्राम गजरोला, अकबरपुर गढी की सीमा पर पक्की सड़क से गजरोला होते हुए अलीमोरना, धूमा नंगली, खोड़ अहीर, सैफपुर कर्मचन्दपुर से होते हुए वन विभाग कार्यालय हस्तिनापुर व डेरी फार्म से होते हुए वन विभाग ट्रेनिंग सेन्टर से महमूदपुर सिखेडा से पौडी मार्ग से ग्राम सदरपुर, सैफपुर, फिरोजपुर से जनपद मेरठ में डब्लू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 131 तक जनपद मुजफ्फरनगर में डब्लू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 131 से 132 के मध्य एन0एच0–119 ग्राम मुबारिकपुर, सिखरेडा, कैलापुर जसमौर से ग्राम कासमपुर खोला, निजामपुर, दरियापुर से होते हुए लांडा रजवाहे से सीकरी, मलकपुरा, मजरा बसेड़ा से अन्तिम डब्ल्यू0आई0आई0 के जी0पी0एस0 क्रम संख्या 01 पर समाप्त।

कन्हैया पटेल
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

17/7/23

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

क्र0 सं0	प्रभाग का नाम	ग्रामों की संख्या	हस्तिनापुर वन्य जीव विहार में सम्मिलित समग्र क्षेत्रफल (हे0 में)					योग (हे0 में)
			वन भूमि (हे0 में)	वन्य जीव विहार की भूमि (हे0 में)	अन्य राजकीय भूमि (हे0 में)	निजी / कृषि भूमि (हे0 में)		
						कृषि भूमि	बन्दोबस्त के अधीन भूमि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	मेरठ	114	5547.2595	-	9858.961	21103.782	-	36510.0025
2	हापुड़	22	681.115	-	1013.825	3752.711	-	5447.651
3	मुजफ्फरनगर	108	4897.866	3495.2007	5285.8499	16064.368	-	29743.2846
4	बिजनौर	142	3892.47	-	6073.2	14690.8	-	24656.47
5	अमरोहा	71	6045.545	694.187	1123.139	10222.199	1473.847	19558.917
	योग	457	21064.2555	4189.3877	23354.9749	65833.860	1473.847	115916.3251

आज्ञा से,
मनोज सिंह,
अपर मुख्य सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 92/81-4–2023-852-97, dated February 6, 2023 :

No. 92 /81-4–2023-852-97

Dated Lucknow, February 6, 2023

WHEREAS the State Government is of the opinion that the area, the details of which are given in the Schedule below, is of adequate ecological, faunal, floral, geomorphological, natural and zoological significance for the purpose of protecting, propagating and developing of wildlife therein and its environment;

AND, WHEREAS, in exercise of the powers under sub-section (1) of section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 (Act no. 53 of 1972), the Governor was pleased to declare his intention to constitute, 2073 sq. kms. of area listed in Schedule of notification no. 3782/ XIV-3-57-84 dated 30 July, 1986 as, "Hastinapur Sanctuary";

AND, WHEREAS, the Collector appointed by the State Government has determined the nature and extent of rights existing in or over the land comprised within the limits of the aforesaid Sanctuary;

AND, WHEREAS, the National Green Tribunal *vide* order dated 31st May, 2019 in Original Application No. 325 of 2018 (Gaurav Kumar Bansal *versus* Union of India and Others) has directed to issue notification under section 26-A of the aforesaid Act in respect of "Hastinapur Wildlife Sanctuary";

AND, WHEREAS, the National Board for Wildlife *vide* F. No. 6-101/2020 WL dated 19th October, 2020 has recommended the proposal for rationalization of the aforesaid Sanctuary;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under section 26-A of the Wildlife (Protection) Act, 1972 (Act no. 53 of 1972), the Governor is pleased to declare that the area, details of which are mentioned in the Schedule below, shall be the limits of the "Hastinapur Wildlife Sanctuary", with effect from the date of the publication of this notification in the *Gazette*.

17/7/23
Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut

1215 RPH 2023 (Paryavaran Anubhag-4) data 4e

SCHEDULE

"Details of the area to be included in "Hastinapur Wildlife Sanctuary"

Description of the boundary

NORTH - The boundary of Hastinapur Wildlife Sanctuary starts in District Muzaffarnagar at GPS No. 01 of WII till GPS No. 02 of WII at village Malakpura and then its moves towards GPS No. 05 of WII in Almawala crossed Zindawala, Faridpur, Shadhara and continues towards GPS No. 06 in Kanewali Bakshiram then further runs towards GPS No. 08 in Majlishpur village and continues towards GPS No. 12 of WII in Lukaghadi village in Muzaffarnagar and again starts from GPS No. 15 which is starting point of Bijnor district Village Govardhan, Indarpur, Rajrup, B.A., Mohiddinpur and ends at Dayalwala.

EAST - From Dayalwala village towards left track of the Madhya Ganga canal in Bijnor District it crosses Taiyabpur, Manshahpur, Bhogpur Patti Harsukh, Devapur Rawali, Gangoi Khadar, Kherki Hemraj, Alampur Nila village and under Tehsil Chandpur it runs through Sadabad, Mubarakpur, Alipura, Ajdev, Sheikhpuri and ends at that. In Amroha District Tehsil Dhanaura it crosses through village Sunpura, Kadrabad, Walipura (Partial), Ferozepur Baghd (Partial), Jaithal Mustakam (Partial), Sherpur Mustakam (Partial), Mohsanpur and reached GPS No. 95 of WII located in Kankather village.

SOUTH - Starting from WII GPS No. 95 in Amroha district, WII GPS No. 96, on the left track of Delhi-Bareilly railway line from Km. 50 to 56, up to GPS No. 97 of WII located near the railway line on the border of Hapur district.

WEST - Starting from GPS No. 97 of WII, crosses village-Bakhtawarpur, Somnath Ashram of village Gadawali, through the outer boundaries of Garhmukteshwar town and Shahpur Chaudhary village crosses village Kothla, Saugarh, Kalyanpur, Alhadahpur alias kulpur, Jhadina and Saidpur to the GPS No.-107 of WII (Gulctor Chauki). In district Meerut, it starts from Asilpur Gulctor Chauki to Pir Khakran before Nangla Gosai, continues from graveyard on Jaisinghpur road till Village Gudha, from Humayupur pucca road to Akbarpur Ichhabad through Chakrod to village Gajrola, Akbarpur Gadhi, Alimorna, Dhuma Nangali, Khod Ahir, Saifpur, Karamchandpur *via* road between Forest Office and dairy farm through Forest Training Center to Mahmudpur Sikheda *via* Pauri road to village Sadarpur, Saifpur Firojpur to WII GPS No. 131 in Muzaffarnagar district it start from WII GPS No. 131 to 132 along NH-119 village Mubarikpur, Shikhreda, Kailapur Jasmour to village Kasampur Khola, Nizampur, Dariapur through Landa Rajwaha to Sikri, Malakpura, Majra Baseda it ends at WII GPS No. 01.

Sl. No.	Name of Forest Division	Total No. of Villages	Overall area included in Hastinapur Wildlife Sanctuary (In Hect.)					Total Area (In Hect.)
			Forest land (In Hect.)	Wildlife Sanctuary Land (In Hect.)	Other Government Land (In Hect.)	Private/ Agricultural land (In Hect.)		
						Agricultural land	Land under agricultural land settlement	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Meerut	114	5547.2595	-	9858.961	21103.782	-	36510.0025
2	Hapur	22	681.115	-	1013.825	3752.711	-	5447.651
3	Muzaffar Nagar	108	4897.866	3495.2007	5285.8499	16064.368	-	29743.2846
4	Bijnor	142	3892.47	-	6073.2	14690.8	-	24656.47
5	Amroha	71	6045.545	694.187	1123.139	10222.199	1473.847	19558.917
	Total:	457	21064.2555	4189.3877	23354.9749	65833.860	1473.847	115916.3251

C/F

(कन्हैया पटेल)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
मुजफ्फरनगर

By order,

MANOJ SINGH,

Apar Mukhya Sachiv.

Santosh Kumar Bajpai
Project Director
National Highways Authority of India
PIU - Meerut